DEPARTMENT of POLITICAL SCIENCE
D.B. COLLEGE, JAYNAGAR. BIHAR.
B.A - Part-II (HON'S) Paper - IV
By- DR. A. K. Yadav
Asst. Prof. G.P.S.
Mo- 9415376545
[Comparative Government and Politics] Date- 20-07-20
Lecture No- 13

तुलनात्मक राजनीति का क्षेत्र —

तुलनात्मक राजनीति का क्षेत्र भी विवाद का विषय ही बनकर रह गया। इसका मुख्य कारण है कि इसके परम्परागत और आधुनिक दृष्टिकोणों में समानता स्थापित नहीं हो पाना। पुराने राजनीतिक विचारक अपने अध्ययन क्षेत्र को केवल प्रशासन तथा सरकार के ढाँचे तक सीमित थे जबकि आधुनिक विद्वान उसके क्षेत्र को बहुत ही व्यापक बना देते हैं। तुलनात्मक राजनीति का विषय क्षेत्र संक्षिप्त में निम्नलिखित है —

1- विभिन्न राज्यों का संस्थागत व्यापक अध्ययन — तुलनात्मक राजनीति के परम्परागत विद्वानों ने विधायिका, कार्यपालिका, न्यायपालिका तथा नौकरशाही को ही राजनीतिक विषय क्षेत्र माना। यद्यपि आजकल संस्थाओं के स्थान पर कार्यपद्धति और व्यावहारिक पक्ष पर अधिक बल दिया जाता है तथापि राजनीतिक संरचना को बिल्कुल छोड़ा नहीं जा सकता। साधारणतः यह माना जाता है कि अंतिम निर्णय लेने की संसद की शक्ति दिन-प्रतिदिन कम होती जा रही है और यह शक्ति कार्यपालिका के हाथों में आ गई है। इस सरकार के निष्कर्षों पर पहुँचने के लिए यह आवश्यक है कि हम अधिक से अधिक देशों की कार्यपालिका और विधानमंडलों का अध्ययन करें।

2- राजनीतिक समाजीकरण का अध्ययन — राजनीतिक समाजीकरण तुलनात्मक राजनीति का एक महत्वपूर्ण अध्ययन विषय है। राजनीतिक समाजीकरण एक ऐसी प्रक्रिया है जिसके द्वारा राजनीतिक मूल्यों तथा दृष्टिकोणों के विषय में जानकारी प्राप्त होती है। राजनीतिक समाजीकरण एक दीर्घकालीन प्रक्रिया है। यह व्यक्ति के जीवन से प्रारम्भ होकर उसकी मृत्यु तक चलती रहती है। व्यक्ति अपने बचपन से ही विभिन्न राजनीतिक विषयों में रुचि लेने लगता है और जीवन पर्यन्त वह इससे जुड़ा रहता है। राजनीतिक समाजीकरण

Scanned with CamScanner

को तुलनात्मक राजनीति में इसलिए शामिल किया जाता है क्योंकि राजनीतिक राजनीतिक समाजीकरण पर ही किसी राजनीतिक प्रणाली की सफलता या असफलता निर्भर करती है।

3. राजनीतिक विशिष्टजन, राजनीतिक हिंसा और राजनीतिक भ्रष्टाचार का अध्ययन —

तुलनात्मक राजनीति के विद्वान इस बात का भी अध्ययन करते हैं कि वे व्यक्ति जो राजसत्ता का प्रयोग करते हैं, समाज के किन वर्गों से संबंधित हैं और उनकी सत्ता का क्या आधार है। प्रत्येक राज्य में शासन की कुछ शक्ति विशिष्टजन या एक विशिष्ट वर्ग के हाथों में होती है। जिन देशों में स्वच्छ दलीय प्रणाली है, वहीं शासकों की भर्ती का मुख्य स्रोत राजनीतिक दल होते हैं। आर्थिक असमानता और राजनीतिक शासकों की भर्ती के ढंग का राजनीतिक हिंसा और आन्तरिक कलह से गहरा संबंध है।

4- विश्लेषणात्मक तथा आनुभविक खोज —

तुलनात्मक राजनीति में आनुभविक अध्ययन पर अधिक बल दिया जाता है। इसके अंतर्गत राजनीतिक संस्थाओं, उनकी संरचनाओं की अपेक्षा उसके क्रियाशील कार्यकर्ताओं अथवा तत्वों के व्यवहार का अध्ययन होता है।

5- विकासशील समाजों का अध्ययन —

तुलनात्मक राजनीति में न केवल विकसित पश्चिमी देशों की शासन प्रणालियों का अध्ययन किया जाता है, बल्कि इसमें एशिया और अफ्रीका के पिछड़े और विकासशील देशों की शासन प्रणालियों का भी अध्ययन किया जाता है।

6- राजनीतिक प्रक्रियाओं का अध्ययन —

प्रत्येक राजनीतिक प्रणाली में अनेक राजनीतिक प्रक्रियाएं चलती रहती हैं। प्रत्येक राजनीतिक व्यवस्था में निर्णय निर्माण की प्रक्रिया, न्यायिक प्रक्रिया इत्यादि अनेक प्रक्रियाएं अनवरत रूप में चलती रहती हैं। इन राजनीतिक राजनीतिक प्रक्रियाओं का राजनीतिक व्यवस्था पर प्रभाव पड़ता है। इसलिए तुलनात्मक राजनीति में राजनीतिक प्रक्रियाओं का अध्ययन किया जाता है।

By. DR. A.K. Yadav (Pol.Sc)
Asst Prof (G.D.T.T)

Conti— Next Lecture →
P.T.O

Scanned with CamScanner

DEPARTMENT of POLITICAL SCIENCE
D.B. COLLEGE, JAYNAGAR BIHAR.
B.A Part-II (HON'S) Paper-IV

BY. DR. A.K. Yadav
Asstt. prof. Associate
Date 20-07-20

(Comparative Government and Politics)

Lecture-No- 14

तुलनात्मक राजनीति का क्षेत्र →

7- राजनीतिक सहभागिता का अध्ययन —

राजनीतिक सहभागिता से अभिप्राय नागरिकों की राजनीतिक गतिविधियों में भाग लेने से है। सभी राजनीतिक प्रणालियों में राजनीतिक सहभागिता का स्तर एक समान नहीं होता। उदार लोकतांत्रिक राजनीतिक व्यवस्थाओं नागरिक राजनीतिक गतिविधियों में अधिक भाग लेते हैं जबकि पिछड़ी हुई तथा सर्वसत्तावादी राजनीतिक व्यवस्था राजनीतिक व्यवस्था को राजनीतिक भागीदारी के अधिक अवसर नहीं मिलते। वास्तव में राजनीतिक भागीदारी ही किसी व्यवस्था के औचित्य की कसौटी मानी जाती है। तुलनात्मक राजनीति में भागीदारी का महत्व है।

8- नौकरशाही की भूमिका —

नौकरशाही की प्रत्येक राजनीतिक व्यवस्था में अत्यन्त महत्वपूर्ण भूमिका होती है। विशेषतया वर्तमान राजनीतिक व्यवस्थाओं में नौकरशाही सरकार या प्रशासन की रीढ़ की हड्डी बन गई है। यदि आधुनिक युग को नौकरशाही का युग कहा जाए तो गलत नहीं होगा। कल्याणकारी राज्य की धारणा के साथ-साथ नौकरशाही की भूमिका भी बढ़ती चली गई। यही कारण है कि आज चाहे नीति का निर्माण करना हो या क्रियान्वयन करना हो, नौकरशाही सदैव प्रमुख रहती है। नौकरशाही को सामाजिक, आर्थिक परिवर्तन में एक यंत्र के रूप में स्वीकार किया जाता है। इसलिए तुलनात्मक राजनीति में नौकरशाही का अध्ययन किया जाता है।

9- अन्तः अनुशासनात्मक दृष्टिकोण —

आधुनिक युग में तुलनात्मक राजनीति का विषयक्षेत्र केवल राजनीतिशास्त्र के अध्ययन तक ही सीमित नहीं है, बल्कि इसमें राजनीतिक व्यवस्था के व्यावहारिक राजनीतिक प्रक्रियाओं का अध्ययन होने के कारण इसके विषय क्षेत्र में

P.T.O →

BY - DR. A.K. Yadav
(Asstt. prof. G.P.T.T)

Lecture - 14

Date - 20-07-20

काफी वृद्धि हुई है। इसी कारण तुलनात्मक राजनीति एक अन्तः अनुशासनात्मक दृष्टिकोण बन गया है। अब तुलनात्मक राजनीति में राजनीतिशास्त्र के अलावा अन्य सामाजिक विज्ञानों जैसे कि समाजशास्त्र, मनोविज्ञान, अर्थशास्त्र, इतिहास, विज्ञान, रसायन विज्ञान इत्यादि का भी अध्ययन किया जाता है। आधुनिक विद्वानों की मान्यता है कि राजनीतिक व्यवस्थाओं की जटिलताओं को सामाजिक और आर्थिक संदर्भों में ही भली प्रकार से समझा जा सकता है।

10- राजनीतिक आधुनिकीकरण और नगरीकरण की समस्याओं का अध्ययन — तुलनात्मक राजनीति के विद्वान इन प्रश्नों पर भी विचार करते हैं कि, शिक्षा के प्रसार का नागरिकों के राजनीतिक आचरण और उनकी राजनीतिक संस्थाओं पर क्या प्रभाव पड़ता है। एक ही समाज के अन्तर्गत रहने वाली विभिन्न जातियों और धार्मिक निष्ठाओं में क्या परिवर्तन आ जाते हैं? क्या आर्थिक विकास द्वारा यह संभव है कि एशिया और अफ्रीका के नागरिकों को अपने परिवार, कुल, गाँव, कबीले, धर्म और जाति के प्रति जो निष्ठाएँ हैं, धीरे-धीरे समाप्त हो जाएं और उनके स्थान पर उनमें राष्ट्रीयता की भावना विकसित हो सके।

इस प्रकार निष्कर्षतः हम कह सकते हैं कि तुलनात्मक राजनीति का क्षेत्र आज अत्यन्त व्यापक हो गया है जिसमें राजनीति का कोई पहलू शायद ही छूटा हो जो इसके अन्तर्गत समाहित न हो।

Date - 20-07-20

BY - DR. A.K. Yadav (Pol.Sc)
(ASSTT prof. G.P.T.T)

Scanned with CamScanner